

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 03 जून, 2008

विषय :- चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में जिला सैक्टर योजनान्तर्गत अनुदान संख्या-28 में स्वीकृत बजट प्राविधान के सापेक्ष धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, डेयरी के पत्र संख्या-138-39/जिला योजना /2008-09 दिनांक 23 अप्रैल, 2008 एवं मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या-624/जि0यो0/मु0स0/2008 दिनांक 24 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में डेयरी विभाग हेतु अनुदान संख्या-28 जिला सैक्टर के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण योजना की जनपदवार, फाट धनराशि रुपया 265.22 लाख (रुपया दो सौ पैंसठ लाख बाइस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु निम्न विवरणानुसार आपके निर्वतन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र0स0	जनपद का नाम	बजट प्राविधान	प्रस्तावित धनराशि
1	नैनीताल	23.21	23.21
2	उधमसिंहनगर	29.78	29.78
3	अल्मोड़ा	21.78	21.78
4	पिथौरागढ़	19.08	19.08
5	बागेश्वर	7.58	7.58
6	चम्पावत	40.16	40.16
7	देहरादून	18.25	18.25
8	पौड़ी (श्रीनगर गढवाल)	15.30	15.30
9	टिहरी	12.02	12.02
10	चमोली	55.33	55.33
11	उत्तरकाशी	12.27	12.27
12	रूद्रप्रयाग	9.46	9.46
13	हरिद्वार	1.00	1.00
	योग	265.22	265.22

- (1) संलग्न विवरणानुसार निर्गत स्वीकृति को तत्काल समस्त सहायक निदेशक, डेरी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृत परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय सम्बन्धी शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-191-सहकारी समितियाँ तथा अन्य निकायों को सहायता-91-ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज सहायता के नामे डाले जायेगा।

3- यह आदेश प्रमुख सचिव, वित्त के पत्रांक-267/XXVII(1) दिनांक 27 मार्च, 2008 एवं मुख्य सचिव के पत्र दिनांक 17 अप्रैल, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(अश्विनेन्द्र सिन्हा)
सचिव 3/6

संख्या- 307 (1)/XV-2/2008-तददिनांक 03/06/08

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड।
4. मण्डलायुक्त, कुमायूँ / गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, डेरी विभाग हल्द्वानी, नैनीताल।
6. समस्त सहायक निदेशक, डेरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून।
8. नियोजन अनुभाग एवं वित्त अनुभाग-4।
9. निदेशक, बजट एवं राजकोषीय निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड पत्रावली।

आज्ञा से,
(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव